linoleum, groundnuts, coir yarn and coir goods, mica, tobacco, jute raw, wool raw, opium medicinal herbs and drugs, readymade garments, fruit and canned fruits and engineering goods, such as machine tools, Railway wagons, rolled steel products, chemical equipment etc.

डेकन एक्सप्रेस का दुर्घटनाग्रस्त होना

1038. श्री राम सहाय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 28 जुलाई, 1967 के लगभग बंगलोर से पूना आ रही डेकन एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप इंजन तथा चार डिब्बे पटरी से उतर गये ; और

(ख) यदि हां, तो इसमें जन-धन की कितनी हानि हुई और इस दुर्घटना के लिये कौन-कौन जिम्मेदार हैं ?

†[ACCIDENT TO DECCAN EXPRESS

1038. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is fact that the Deccan Express coming from Bangalore to Poona met with an accident on or about the 28th July, 1967 and as a result thereof the engine and four bogies were derailed; and

(b) if so, what was the extent of loss of life and property and who were responsible for the accident?]

रेल मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) जी हां, दुर्घटना 28 जुलाई, 1967 को हुई।

(ख) इस दुर्घटना में न तो कोई मारा गया और न घायल हुआ। रेल सम्पत्ति को लगभग 4,709 रुपये की हानि होने का अनुमान है।

दुर्घटना का कारण यह था कि भारी वर्षा की वजह से रेल-पथ के गहरे कटाव में एक गोला पत्थर गिर गया था, जिससे पटरी में खराबी आ गयी थी। इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं पाया गया।

†[THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) Yes, the accident occurred on 28th July, 1967.

(b) In this accident no one was killed or injured. The cost of damage to railway property was estimated approximately at Rs. 4,709.

The accident was caused by the falling of a boulder on the track in a deep cutting on account of heavy rain, causing distortion of the rail for which no body was held responsible.]

उत्तर रेलवे में कोच अटेन्डेन्ट्स का कार्मशियल साइड से मेकेनिकल साइड में स्थानान्तरण

1039. श्री रेवती कान्त सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर रेलवे के जनरल मैनेजर ने कोच अटेन्डेंट्स की सेवाओं को कार्मशियल साइड से मैकेनिकल साइड में स्थानान्तरित करने के आदेश जारी किये हैं जब कि अन्य रेलवे जोन्स में उनकी सेवाएं कार्मशियल साइड में ही हैं ;

(ख) क्या कोच अटेंडेंट्स ने इस आदेश के विरोध में 12 से 24 जुलाई, 1967 तक हड़ताल की थी ;

(ग) क्या यह सच है कि दिल्ली डिवीजन में इस आदेश की कार्यान्विति स्थगित कर दी गई है, जबकि कानपुर, इलाहाबाद, सहारनपुर और मुरादाबाद डिवीजनों में ये आदेश अभी लागू हैं ; और

(घ) यदि उपरोक्त भाग (क) से (ग) के उत्तर 'हां' हों, तो इस संबंध में सरकार की नीति क्या है; और क्या सरकार जनरल मैनेजर के आदेश को रद्द कर देगी ?

†[ ] English translation.

†[TRANSFER OF COACH ATTENDANTS FROM COMMERCIAL TO MECHANICAL SIDE ON N. RAILWAY

1039. SHRI REWATI KANT SINHA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the General Manager of the Northern Railways issued orders transferring the services of coach attendants from Commercial to Mechanical side whereas in other Railway zones their services continue to be in the Commercial side;

(b) whether the coach attendants went on a strike from 12th to 24th July, 1967 as a mark of protest against the orders;

(c) whether it is a fact that implementation of the orders was postponed in Delhi division whereas in Kanpur, Allahabad, Saharanpur and Moradabad Divisions the orders continue to be in force; and

(d) if answers to parts (a) to (c) above be in the affirmative what is the policy of Government in this regard and whether Government would cancel the order of the General Manager?]

रेल मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) :

(क) जी हां।

(ख) जी नहीं, लेकिन इन आदेशों के विरुद्ध कुछ अभ्यावेदन मिले थे।

(ग) न केवल दिल्ली मण्डल में, बल्कि सभी मण्डलों में इन आदेशों को कार्यान्वित करना स्थगित कर दिया गया है।

(घ) मामले की जांच की जा रही है।

†[THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) Yes.

(b) No, but certain representations were received against these orders.

(c) Implementation of these orders has been postponed on all the Divisions and not on Delhi Division alone.

(d) The matter is under examination.]

कोच अटेंडेंट्स की कठिनाइयां

1040. श्री रेवती कान्त सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान कोच अटेंडेंट्स के डिवीजनल मुख्यालयों के स्टेशनों पर उनकी ड्यूटी समाप्त होने पर वहाँ उनके ठहरने की कोई व्यवस्था न होने और गाड़ी में ड्यूटी के समय उनका सामान रखने की कोई सुरक्षित जगह न होने के कारण होने वाली कठिनाइयों की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार गाड़ी में एक ताला सहित अलमारी और डिवीजनल मुख्यालयों के स्टेशनों पर उनके ठहरने के लिये एक कमरे की व्यवस्था करने का विचार रखती है ?

†[DIFFICULTIES OF COACH ATTENDANTS

1040. SHRI REWATI KANT SINHA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the difficulties experienced by coach attendants due to the fact that no arrangements exist for them to stay at the stations of divisional headquarters after they have performed their duties and that they have not been provided with safe places in trains where they could keep their luggage while on duty; and

(b) if so, whether Government propose to provide an almirah with lock in trains and also a room at the stations of divisional headquarters where they could stay?]

†[ ] English translation.